University in News on 04 October 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

सहयुक्त कॉलेजों में भी पढ़ेंगे विदेशी छात्र

लविवि ऑनलाइन माध्यम से भी पढ़ाई करने के लिए विदेशी विद्यार्थियों को करेगा आमंत्रित

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में तीन सालों से विदेशी विद्यार्थियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इनकी संख्या 200 से ज्यादा हो चुकी है। इसके बावजूद नेपाल और कई पड़ोसी देशों के बच्चे अभी भी यहां कम दाखिला ले रहे हैं। ऐसे में न सिर्फ लविवि बल्कि सहयुक्त कॉलेजों में भी विदेशी विद्यार्थियों को दाखिला दिलाने का प्रयास शुरू होगा।

नेपाल की शैक्षणिक यात्रा से लौटने के बाद मंगलवार को प्रेसवार्ता में कुलपति आलोक कुमार राय ने यह जानकारी साझा की।

कुलपति ने बताया कि लविवि के दल ने नेपाल के सबसे बड़े विवि त्रिभुवन विश्वविद्यालय के अलावा अन्य विवि के साथ भी एमओयू किया है। इसके तहत शिक्षक और छात्र विनियमन को शामिल किया गया है। लविवि अपने एचआरडीसी केंद्र के माध्यम से वहां के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करेगा।

कुलपति ने कहा, इस यात्रा का मकसद ट्रिवनिंग, संयुक्त और दोहरी डिग्री कार्यक्रम शुरू करके नेपाली छात्रों के चीन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोपीय देशों में प्रवास को कम करना भी रहा है। विदेशी विद्यार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से भी पढ़ाई के लिए जोड़ा जाएगा। इससे वे बिना यहां आए ही पढ़ाई कर सकेंगे।

नेपाल की शैक्षणिक यात्रा से लौटे लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने दी जानकारी

विदेशी परिसर स्थापित करने का भी प्रस्ताव

कुलपति ने बताया कि लविवि ने नेपाल सरकार और भारत सरकार की मदद से वहां विदेशी परिसर स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया है। इसी तरह विश्वविद्यालय नेपाल के तीन प्रबंधन संस्थानों में भारत-नेपाल लैब स्थापित करेगा, जो उपभोक्ता के उपभोग व्यवहार की जानकारी देगी। इस तरह की लैब लविवि के प्रबंधन विभाग में भी है। प्रेसवार्ता में इंटरनेशनल स्टूडेंट एडवाइजर प्रो. आरपी सिंह, डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. संगीता साहू और प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव मौजूद रहे।

- **भूटान और बांग्लादेश की भी होगी यात्रा :** कुलपति ने बताया कि आने वाले समय में लखनऊ विश्वविद्यालय सांस्कृतिक और शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करने के लिए भूटान और बांग्लादेश की शैक्षणिक यात्रा की भी योजना बना रहा है।
- **लविवि में स्थापित होगा नेपाली स्टडी सेंटर :** कुलपति के अनुसार भारत और नेपाल की सांस्कृतिक विशेषताएं काफी हद तक एक-दूसरे से मिलती हैं। ऐसे में लविवि अपने यहां सेंटर फॉर नेपालिय स्टडी की स्थापना करेगा। इससे दोनों देश एक-दूसरे के करीब आएंगे।

नेपाली लोक साहित्य में बसे सीता और राम के सांस्कृतिक पाठ होंगे संकलित

नेपाल की जनकपुरी को मानते हैं रामजी की ससुराल, वहां के लोक साहित्य, कविता, कहावत और कहानियों में बसे हैं प्रभु राम

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। नेपाल की जनकपुरी को माता सीता का जन्मस्थल और भगवान राम की ससुराल माना जाता है। नेपाल के गीत, कहानी, लोकोक्तियों, कहावतों में भी इनका जिक्र मिलता है। अब लखनऊ विश्वविद्यालय नेपाल के राजर्षि जनक विश्वविद्यालय के साथ इन सांस्कृतिक पाठों का संकलन करेगा। संकलन यात्रा में अवध के सांस्कृतिक पाठों को शामिल किया जाएगा।

लविवि के इंटरनेशनल स्टूडेंट एडवाइजर प्रो. आरपी सिंह ने बताया कि नेपाल यात्रा का मकसद शैक्षणिक के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। लखनऊ विश्वविद्यालय अवध क्षेत्र में है, जो भगवान राम की जन्मभूमि है। इसी धरती पर जन-जन के हृदय में बसने वाले रामचरित मानस जैसे पावन ग्रंथ की रचना हुई। जनकपुरी को भगवान राम की ससुराल कहा जाता है। नेपाल के लोककीर्तानों में सीता-राम के विवाह के बारे में बात होती है।

एमओयू पर हस्ताक्षर करते लविवि व राजर्षि जनक विवि के कुलपति। स्रोत: लविवि

जनश्रुतियों पर आधारित साहित्य में भी सीता-राम विवाह, अयोध्या से आई बरात के स्वागत समेत अवसरों की जानकारी मिलती है। दोनों विश्वविद्यालय के साझा प्रयास से इसे संकलित करके सहेजा जा सकता है। इसके लिए राजर्षि जनक विश्वविद्यालय ने हामी भरी है। इसे लेकर विवि के कुलपति प्रो. अमर प्रसाद यादव ने विवि के साथ एमओयू भी किया।

छात्रों के हाथों में होगी कॉलेजों की कुंडली

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में छात्रों के प्रवेश से संबंधित डाटा डिस्प्ले करेगा। इससे कॉलेजों की पूरी कुंडली छात्रों के हाथ में होगी। इससे वह आसानी से समझ पाएंगे कि कौन से कॉलेज का शैक्षिक स्तर से क्या स्थान है।

ज्यादातर विद्यार्थी लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षा लेना चाहते हैं। यहां प्रवेश न मिलने पर कॉलेजों का रुख करते हैं। इसमें भी वे उस कॉलेज में दाखिला लेना चाहते हैं, जो अच्छे कॉलेजों की श्रेणी में स्थान रखता हो। ऐसे में प्रवेश से संबंधित डाटा मौजूद रहने पर विद्यार्थियों को फायदा होगा। इसके अलावा विवि प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की च्वॉइस भी क्रमानुसार प्रदर्शित करेगा। महाविद्यालयों में इसे लेकर प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा, जिससे वे अकादमिक ढांचा बेहतर करने को प्रयास करेंगे।

लविवि के एपीसेन सभागार में मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी और रायबरेली के महाविद्यालयों के प्राचार्य और प्रबंधकों के साथ बैठक की। उन्होंने महाविद्यालयों के छात्रों और शिक्षकों को विवि की टैगोर लाइब्रेरी के आर्ट गैलरी और रीडिंग रूम देखने का सुझाव दिया, जिससे कॉलेज अपनी संरचना में सुधार कर सके।

उन्होंने लविवि से सहयुक्त सभी कॉलेजों के शिक्षकों को लिखित परीक्षा से पहले पोर्टल पर प्रैक्टिकल और मौखिक परीक्षा के अंक अपलोड करने के निर्देश दिए, जिससे विवि परीक्षाओं के परिणाम बिना देरी जारी कर सके। महाविद्यालयों में मैनेजमेंट कमेटी के चुनाव के लिए पर्यवेक्षक भेजे जाने पर कुलपति ने कहा कि यह जरूरी है, ताकि कॉलेजों में चुनाव नियमानुसार हो सके।

कुलपति ने कॉलेजों के प्राचार्यों और प्रबंधकों से कहा कि वे अपने महाविद्यालय का एकेडमिक ऑडिट जरूर कराएं। बैठक में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, वित्त अधिकारी हिमानी चौधरी, डीन सीडीसी प्रो. अवधेश त्रिपाठी आदि थे।

प्रवेश संबंधित डाटा डिस्प्ले करेगा लविवि, जिस कॉलेज में दाखिला लेना है उसकी मिलेगी जानकारी

एलयूआरएन पंजीकरण की समस्या पर विचार

कुलपति ने कहा, एनयूआरएन पंजीकरण के लिए विशेष परिस्थिति में निर्णय लिया जा सकता है, पर यह अनंत नहीं हो सकता। प्रवेश प्रक्रिया समापन की ओर है, ऐसे में एलयूआरएन पंजीकरण में सामने आई समस्याओं पर विचार किया जाएगा। कई कॉलेजों ने पीजी प्रवेश को देखते हुए लर्न पोर्टल खोलने में छूट का अनुरोध किया है। वहीं, एक शिक्षक के पांच से अधिक कॉलेजों में प्रैक्टिकल लेने का अधिकार कुलपति के आधीन होगा।

माह का अंतिम शानिवार होगा समाधान दिवस

लखनऊ विश्वविद्यालय में अब महीने के अंतिम शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन होगा। इसमें कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक और वित्त अधिकारी कॉलेजों की समस्याओं को सुनकर तय अवधि में उनका निस्तारण करेंगे।

THE PIONEER PAGE 3

LU mulls campus in Nepal

PNS ■ LUCKNOW

The University of Lucknow is planning to open a campus in Nepal, Vice-Chancellor Prof Alok Rai said while addressing mediapersons after returning from the Nepal trip, which, he said, was successful.

He said that they had a meeting in this regard with the officials of the Ministry of External Affairs (MEA) and the embassy at Nepal. "We told them we are desirous of opening a campus in Nepal. Since we cannot purchase land in a foreign country, we are routing the proposal through the embassy that the land be given to us by the Nepal government and the construction will be done by us. The Nepal government can carry out a sealing on our admissions. This way, we can impart education to their children under their policies," the LU VC said.

Besides, he said they are also mulling opening a Centre for Nepal Studies within the university. "There is a similar centre of ICCR in Varanasi. The officials told us to write to the ICCR and send a copy to the embassy," Rai said.

Talking further about his Nepal trip, he said there were five MoUs signed with the Nepalese universities.

Giving a backgrounder, Rai said that Governor Anandiben Patel wanted the universities to plan make a trip to Nepal and they started out with the Tribhuvan University

"We had an 11-point programme, which we named as 'Ekadash Sutra'. The fundamental premise was that Nepal was not only a neighbouring country, but we have an old cultural bond with it, so we

can start a cultural dialogue institutionally. We strongly feel that the National Education Policy-2020 has the capacity to become an International Education Policy and through this we get recognition for our knowledge outside our country," he said.

He also pointed out that the student exchange programme was their aim and they made efforts for this

"We have a lesser number of Nepalese students coming to Lucknow University in comparison to the Banaras Hindu University. These students can not only come to the university but also to the colleges for which we will talk to the MEA and this is also what we will explore. Apart from this, we also have a Human Resource Development Centre. We offered training to their teachers in both domain knowledge and pedagogy. This has been a big proposal," he said.

He said that they also talked about the recent decision of twinning and dual degree programmes.

"We floated this proposal before them. The bigger problem with Nepal is that their students are migrating to other countries for education in a big way, which includes China, India and Australia. The affluent class moves to Canada, Europe and the US. We offered them dual degree in which the students can study for one year in India and another in Nepal. It was appreciated by them in a big way," Rai said.

He said that they also talked about collaborative research and also received a proposal for the same.

Talking about the three management institutes with which they had a dialogue , he said they have offered to establish a Bharat-Nepal Lab similar to the Bharat Lab in the department of business administration at Lucknow University.

He said that the Nepal Embassy would include LU in its recommendation list. He added that after Nepal, Bangladesh was next in queue.

NBT PAGE 4

भूटान, बांग्लादेश में एजुकेशन टूर पर जाएगी LU की टीम

नेपाली में शुरू होंगे ऑनलाइन, दूरस्थ शिक्षा कोर्स

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

नेपाल के बाद अब एलयू का प्रतिनिधिमंडल भूटान और बांग्लादेश शैक्षणिक यात्रा के लिए जाएगा। पहले चरण में इन तीनों देशों में एलयू अपना सेंटर भी खोलेने की योजना बना रहा है। इसके अलावा एलयू तीन प्रबंधन संस्थानों में भारत-नेपाल लैब स्थापित की जाएगी। जिसकी मदद से उपभोक्ता के उपभोग व्यवहार के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी।

एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि एलयू ने नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों की कला, वाणिज्य और विज्ञान संकायों के साथ शैक्षणिक संबंध में रुचि दिखाई। इस यात्रा के दौरान हमने 4 विश्वविद्यालयों और 3 कॉलेजों का दौरा किया। 5 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। वीसी ने बताया कि एलयू नेपाल के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में एनईपी की तर्ज पर नीतियां लागू करवाने में मदद करेंगे। एलयू के एचआरडीसी केंद्र में डोमेन ज्ञान और शिक्षाशास्त्र को बढ़ाने के लिए बैचवाइज मोड में शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

...ताकि दूसरे देश न जाएं

एलयू ट्रिवनिंग और दोहरी डिग्री कार्यक्रम के जरिए कोशिश करेगा कि नेपाली स्टूडेंट्स चीन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोपीय देशों की ओर कम से कम जाएं। त्रिभुवन विश्वविद्यालय और मिडवेस्ट विश्वविद्यालय के साथ मिलकर रिसर्च पर काम किया जाएगा। आईसीसीआर और यूजीसी की मदद से नेपाली छात्रों को एलयू के ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा। नेपाल सरकार और भारत सरकार की मदद से एलयू नेपाल में अपना विदेशी परिसर स्थापित करने का प्रयास करेगा। एलयू तीन प्रबंधन संस्थानो में भारत-नेपाल लैब भी स्थापित करेगा।

हर महीने के आखिरी शनिवार को कॉलेजों से संबंधित समस्याओं का होगा निस्तारण

LU में भी अब समाधान दिवस

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू में महीने के आखिरी शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन होगा। संबद्ध कॉलेजों और महाविद्यालयों की समस्याएं सुनी जाएंगी और उनका समाधान किया जाएगा। रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक और वित्त अधिकारी नोडल अधिकारी बनाए गए हैं। ये बातें एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने मंगलवार को लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी और रायबरेली के महाविद्यालयों के प्राचार्य और प्रबंधकों के साथ एपी सेन हॉल में हुई बैठक में कहीं। बैठक में एलयू वीसी ने कॉलेजों को सुझाव दिया कि उन्हें विश्वविद्यालय परिसर में स्थित टैगोर लाइब्रेरी की आर्ट गैलरी और रीडिंग रूम जरूर देखना चाहिए। कॉलेजों को भी ऐसी ही आर्ट गैलरी और रीडिंग रूम अपडेट करना चाहिए। वीसी ने बैठक में कहा कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली किसी भी शिकायत का एलयू संज्ञान लेकर उसका समाधान करता है। कॉलेजों को भी ऐसा ही प्रयास करना चाहिए। वीसी ने कहा कि विचारों में मतभेद हो सकता है। पर, विश्वविद्यालय और छात्र हित सर्वोपरि है।

सीटों का डेटा डिस्प्ले

वीसी ने कहा कि मैनेजमेंट कमेटी के चुनाव के लिए पर्यवेक्षक भेजना जरूरी है, जिससे वहां चुनाव नियमानुसार हो सकेंगे। एलयूआरएन की मदद से पांच जिलों के संबद्ध कॉलेजों का डेटा रखना आसान हो जाएगा। जल्द कॉलेजों की सीटों का ब्योरा वेबसाइट पर अपडेट किया जाएगा। वीसी ने कहा कि पिछले वर्ष लगभग 1.25 लाख स्टूडेंट्स ने एंट्रेंस टेस्ट दिया था। इस बार एलयूआरएन पर 1.87 लाख नामांकन हुए। वीसी ने कहा कि विशेष परिस्थिति में निर्णय लिया जा सकता है कि LURN पोर्टल फिर खोला जाए या नहीं।

NBT Lens — समझिए खबरों के अंदर की बात

क्यों पड़ी समाधान दिवस की जरूरत?

एलयू से लखनऊ के अलावा सीतापुर,हरदोई,लखीमपुर खीरी और रायबरेली के कई कॉलेज संबद्ध हैं। एलयू में आए दिन इन जिलों से कॉलेज के प्राचार्य और प्रबंधक समस्याओं के लिए आते हैं। पर, कई बार अधिकारी मौजूद नहीं होते। ऐसे में कॉलेजों के प्रतिनिधियों को लौटना पड़ता था। यही नहीं शिकायतों के निस्तारण की समय सीमा भी तय नहीं थी। इससे कॉलेजों के प्रतिनिधियों को दिक्कत होती थी। लिहाजा महीने के आखरी शनिवार को समाधान दिवस मनाने का फैसला लिया गया है। एक ही स्थान पर उन्हें सभी अधिकारी मिल जाएंगे।

प्रैक्टिकल और मौखिक परीक्षा के अंक पोर्टल पर अपलोड होंगे : वीसी ने कहा कि प्रैक्टिकल और मौखिक परीक्षा के अंक लिखित परीक्षा के पहले पोर्टल पर अपलोड कर दिए जाएंगे। बैठक में कॉलेजों के प्राचार्यों और प्रबंधकों ने भी समस्याएं बताई। बैठक में रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, वित्त अधिकारी हिमानी चौधरी, डीन सीडीसी प्रो. अवधेश त्रिपाठी समेत अन्य शिक्षक मौजूद थे।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू के आंकड़ों के साथ छात्र पसंद कर सकेंगे कॉलेज

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के ए पी सेन सभागार में कुलपति प्रो आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी और रायबरेली के महाविद्यालयों के प्राचार्य और प्रबंधकों के साथ बैठक हुई। बैठक में शिक्षण सुधार की बात हुई।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि महाविद्यालय के छात्रों एवं शिक्षकों को विश्वविद्यालय परिसर स्थित टैगोर लाइब्रेरी के आर्ट गैलरी और रीडिंग रूम को अवश्य देखना चाहिए, जिससे आप अपने महाविद्यालय में भी उसी आधार पर आवश्यक सुधार कर सकें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि एलयूआरएन (लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नम्बर) जैसी व्यवस्था कई विश्वविद्यालयों में लागू है। इससे आगे आने वाले वर्षों में प्रवेश से संबंधित डाटा प्रदर्शित किया जाएगा। जिससे कि यह पता चले की कौन सा छात्र किस कालेज में प्रवेश लेना चाहता है।

05 जिलों के प्राचार्य व प्रबंधकों के साथ कुलपति की बैठक

एकेडमिक ऑडिट कराएं

कुलपति ने कहा कि आप लोग अपने अपने महाविद्यालय का एकेडमिक ऑडिट अवश्य कराएं। महाविद्यालय के शिक्षकों का प्रैक्टिकल और मौखिक परीक्षा में भागीदारी बढ़ाई गई है। लेकिन कोई भी शिक्षक पांच कॉलेज से अधिक नहीं जा सकता। विशेष परिस्थिति में इस पर अंतिम निर्णय कुलपति का होगा।

एलयू दल भूटान-बांग्लादेश जाएगा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सार्क देशों में से एक नेपाल की अपनी शैक्षणिक यात्रा की उपलब्धियों को बताया। कुलपति ने कहा कि शुरुआत में एलयू ने त्रिभुवन विश्वविद्यालय को लक्षित किया था, जो देश भर में लगभग 8000 संकाय सदस्यों के साथ नेपाल का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। जल्द ही एलयू का दल भूटान-बांग्लादेश जाएगा। एलयू वीसी ने कहा कि नेपाल की शैक्षणिक यात्रा के दौरान प्रतिनिधियों ने चार विश्वविद्यालयों और तीन कॉलेजों का दौरा किया और पांच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। प्रो राय ने यह भी बताया कि जल्द ही नेपाल दूतावास लखनऊ विश्वविद्यालय को अनुशंसा सूची में शामिल करेगा।

नेपाल से शैक्षणिक व सांस्कृतिक संबंध मजबूत करेगा लवि

जागरण संवाददाता, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) अपनी वैश्विक छवि बनाकर विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करने में जुटा है। इसके लिए नेपाल के विश्वविद्यालय और कालेज से पांच एमओयू किए हैं। विश्वविद्यालय में अब नेपाल अध्ययन केंद्र खोलने की तैयारी है, साथ ही अगर नेपाल में जमीन उपलब्ध होती है तो नेपाल सरकार के नियमों पर वहां विश्वविद्यालय का एक कैंपस खोलने की भी योजना है। विश्वविद्यालय एकादश सूत्र के साथ आगे बढ़ रहा है। नेपाल की शैक्षणिक यात्रा से लौटने के बाद मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक राय ने प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि लवि की टीम रूसा अंतरराष्ट्रीय यात्रा कार्यक्रम के तहत दो दिन नेपाल में रही। यहां तीन प्रबंधन संस्थानों में भारत-नेपाल लैब स्थापित करने का काम किया जाएगा। जल्द ही नेपाल दूतावास लखनऊ विश्वविद्यालय को अपनी अनुशंसा सूची में शामिल करेगा। नेपाल और भारत के बीच सांस्कृतिक समानता है, उस सांस्कृतिक अध्ययन को भी आगे बढ़ाया जाएगा। नेपाल के दो विश्वविद्यालय के कुलपतियों ने यहां आएंगे। वाले समय में लखनऊ विश्वविद्यालय सांस्कृतिक और शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करने के लिए भूटान और बांग्लादेश की शैक्षणिक यात्रा भी करेगा।

अभी नेपाल के विद्यार्थी कम: लवि में अभी नेपाल के विद्यार्थी कम हैं, तीन छात्र एम.बी.ए. और एक पीएचडी में हैं। सीधे नेपाल से यहां कम विद्यार्थी आ रहे हैं। जो हैं वह दूतावास के माध्यम से आए हैं। फेलोशिप और सीधे प्रवेश को यहां बढ़ाया जाएगा।

रणनीति बनाकर करें सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी

जागरण संवाददाता, लखनऊ: बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में सृजना व मार्गदर्शन ब्यूरो और दृष्टि आइएएस लखनऊ की ओर से यूपीएससी के लिए इंस्पा युवा दिमाग विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों को यूपीएससी की तैयारी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर जानकारी दी गई। प्रो. संगीता स्वसेना ने कहा कि बहुत से युवा बचपन से सेवा लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण करके अधिकारी बनने का सपना देखते हैं। इसके लिए एक बेहतरीन कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। आइपीएस दैनिक निष्ठा ने कहा कि सभी को लगता है कि यूपीएससी करना कठिन है, लेकिन नामुमकिन कुछ नहीं है। परीक्षा देने से पहले परीक्षा के पैटर्न को समझने का प्रयास करें। रणनीति बनाएं व अपनी कमियों को स्वीकार करें। शिक्षक कुमार अमित ने रुसय प्रावधन को यूपीएससी की तैयारी का आधार बताया। इस दौरान रवि कुमार गुप्ता व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

त्रिभुवन विश्वविद्यालय के साथ चार विश्वविद्यालयों और तीन कालेजों का दौरा किया गया। पांच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके माध्यम से सांस्कृतिक संबंध को मजबूत करने, नेपाल के कालेजों में नई शिक्षा नीति लागू करने, नेपाली छात्रों को लखनऊ विश्वविद्यालय में आनलाइन और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से डिग्री देने, विश्वविद्यालय नेपाल के साथ शैक्षणिक सहयोग के माध्यम से सांस्कृतिक संबंध को मजबूत करने, नेपाल के कालेजों में एनईपी-2020 को लागू करना, लविवि और इसके संबद्ध महाविद्यालयों में भी छात्र विनिमय कार्यक्रम शुरू करने, संकाय विनिमय, लखनऊ विश्वविद्यालय के एचआरडीसी केंद्र में डोमेन ज्ञान और शिक्षाशास्त्र को बढ़ाने के लिए वैचवाइज मोड में शिक्षकों को प्रशिक्षण, ट्रिवनिंग कार्यक्रम, दोहरी डिग्री कार्यक्रम शुरू करके नेपाली छात्रों के चीन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोपीय देशों में प्रवास को कम करने, त्रिभुवन विश्वविद्यालय और मिडवेस्ट विश्वविद्यालय के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान इत्यादि चीज शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में लविवि सांस्कृतिक और शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करने के लिए भूटान और बांग्लादेश की शैक्षणिक यात्रा की योजना बना रहा है।

i-NEXT PAGE 6

पांच कॉलेजों में ले सकेंगे एग्जाम

एलयू कुलपति ने कॉलेजों के प्राचार्यों के साथ बैठक में दी जानकारी

LUCKNOW (3 Oct) : अब लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े कालेजो के शिक्षकों को प्रैक्टिकल एवं मौखिक परीक्षा में भेजने की व्यवस्था में सख्ती रहेगी. कोई भी शिक्षक पांच कालेज से अधिक में नहीं जा सकेंगे. विशेष परिस्थिति में इस पर अंतिम निर्णय कुलपति का होगा. प्रयोगात्मक और मौखिक परीक्षा का अंक लिखित परीक्षा के पूर्व पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाएगा. यह जानकारी मंगलवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने एपी सेन सभागार में लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी और रायबरेली के महाविद्यालयों के प्राचार्य और प्रबंधकों के साथ बैठक में दी.कुलपति ने कहा कि कालेजो के शिक्षकों की प्रैक्टिकल और मौखिक परीक्षा में भागीदारी बढ़ाई गई है, लेकिन कोई भी शिक्षक पांच कालेज से अधिक में नहीं जा सकता. गौरतलब है कि अभी तक यह तय नहीं था कि कौन शिक्षक कितने प्रैक्टिकल लेने जा सकता है। बीते दिनों कैंपस में एक ही शिक्षक द्वारा बड़ी संख्या में कालेजों में प्रैक्टिकल लेने की शिकायत सामने आई थी. अब इस पर सख्ती की गई है. कुलपति ने कालेजों से एकेडमिक आडिट अनिवार्य रूप से कराने के लिए भी कहा है.

● महीने के आखिरी शनिवार को समाधान दिवस

लखनऊ विश्वविद्यालय में भी अब हर महीने के आखिरी शनिवार को समाधान दिवस होगा. इसमें कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक और वित्त अधिकारी एक साथ उपलब्ध होकर विभिन्न महाविद्यालयों से संबंधित समस्याओं का निस्तारण करेंगे.

टैगोर लाइब्रेरी की आर्ट गैलरी देखें

कुलपति ने कहा कि कालेजों के छात्रों एवं शिक्षकों को विश्वविद्यालय की टैगोर लाइब्रेरी में आर्ट गैलरी और रीडिंग रूम को अवश्य देखना चाहिए, जिससे वह अपने यहां उसी आधार पर आवश्यक सुधार कर सके. सभी कालेज नेक व एनआइआरएफ रैंकिंग में प्रतिभाग करें. बैठक में कुलसचिव डा.विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, वित्त अधिकारी हिमानी चौधरी, डीन सीडीसी प्रोफेसर अवधेश त्रिपाठी और कुछ अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे.

डाटा होगा सार्वजनिक

अब आने वाले वर्षों में प्रवेश संबंधित डाटा डिस्प्ले किया जाएगा, जिससे यह पता चले कि कौन सा छात्र किस कालेज में प्रवेश लेना चाहता है. उसका च्वाइस क्रमानुसार प्रदर्शित किया जाएगा. महाविद्यालयों में इसी च्वाइस को लेकर आपस में प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए. कुलपति ने कहा कि एलयूआरएन व्यवस्था लागू होने से पांच जिलों का डाटा विश्वविद्यालय के पास रहेगा, जिससे विद्यार्थियों की समस्याओं को हल करने में मदद मिलेगी. इस बार एक लाख 87 हजार पंजीकरण हुए. एलयूआरएन के संबंध में विशेष परिस्थिति में निर्णय लिया जा सकता है लेकिन यह अनंत नही हो सकता.

JAGRAN CITY PAGE III

एक शिक्षक पांच कालेजों में ही ले सकेंगे प्रयोगात्मक परीक्षा

लवि कुलपति ने कालेजों के प्राचार्यों के साथ बैठक में दी जानकारी

जागरण संवाददाता, लखनऊ: अब लवि से जुड़े कालेजों के शिक्षकों को प्रैक्टिकल एवं मौखिक परीक्षा में भेजने की व्यवस्था में सख्ती रहेगी। कोई भी शिक्षक पांच कालेज से अधिक में नहीं जा सकेंगे। विशेष परिस्थिति में इस पर अंतिम निर्णय कुलपति का होगा। प्रयोगात्मक व मौखिक परीक्षा का अंक लिखित परीक्षा के पूर्व पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने एपी सेन सभागार में लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी और रायबरेली के महाविद्यालयों के प्राचार्य और प्रबंधकों के साथ एपी सेन हॉल में हुई बैठक में कहीं। बैठक में एलयू वीसी ने कॉलेजों को सुझाव दिया कि उन्हें विश्वविद्यालय परिसर में स्थित टैगोर लाइब्रेरी की आर्ट गैलरी और रीडिंग रूम जरूर देखना चाहिए। कॉलेजों को भी ऐसी ही आर्ट गैलरी और रीडिंग रूम अपडेट करना चाहिए। वीसी ने बैठक में कहा कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली किसी भी शिकायत का एलयू संज्ञान लेकर उसका समाधान करता है। कॉलेजों को भी ऐसा ही प्रयास करना चाहिए। वीसी ने कहा कि विचारों में मतभेद हो सकता है। पर, विश्वविद्यालय और छात्र हित सर्वोपरि है।

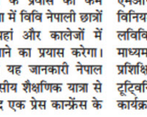

कुलपति ने कालेजों से एकेडमिक आडिट अनिवार्य रूप से कराने के लिए भी कहा है।

महीने के आखिरी शनिवार को समाधान दिवस : लवि में भी अब हर महीने के आखिरी शनिवार को समाधान दिवस होगा। इसमें कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक और वित्त अधिकारी एक साथ उपलब्ध होकर विभिन्न महाविद्यालयों से संबंधित समस्याओं का निस्तारण करेंगे।

विद्यार्थियों का डाटा होगा सर्वजनिक : अब आने वाले वर्षों में प्रवेश संबंधित डाटा डिस्प्ले किया जाएगा, जिससे यह पता चले कि कौन सा छात्र किस कालेज में प्रवेश लेना चाहता है। उसका च्वाइस क्रमानुसार प्रदर्शित किया जाएगा। महाविद्यालयों में इसी च्वाइस को लेकर आपस में प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। कुलपति ने कहा कि एलयूआरएन व्यवस्था लागू होने से पांच जिलों का डाटा विश्वविद्यालय के पास रहेगा।

टैगोर लाइब्रेरी की आर्ट गैलरी अवश्य देखें

कुलपति ने कहा कि कालेजों के छात्रों एवं शिक्षकों को विश्वविद्यालय की टैगोर लाइब्रेरी में आर्ट गैलरी और रीडिंग रूम को अवश्य देखना चाहिए, जिससे वह अपने यहां उसी आधार पर आवश्यक सुधार कर सकें। सभी कालेज नेक व एनआइआरएफ रैंकिंग में प्रतिभाग करें। बैठक में कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, वित्त अधिकारी हिमानी चौधरी, डीन सीडीसी प्रोफेसर अवधेश त्रिपाठी व कुछ अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

च्वाइस को लेकर आपस में प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। कुलपति ने कहा कि एलयूआरएन व्यवस्था लागू होने से पांच जिलों का डाटा विवि के पास रहेगा।

इस बार एक लाख 87 हजार पंजीकरण हुए। एलयूआरएन के संबंध में विशेष परिस्थिति में निर्णय लिया जा सकता है लेकिन यह अनंत नहीं हो सकता।

LOKSATYA PAGE 3

विचारों में मतभेद हो सकते हैं विवि और छात्र हित सर्वोपरि

लखनऊ, लोकसत्ता

लखनऊ विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयालउपाध्याय सभागार में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी और रायबरेली के महाविद्यालयों के प्राचार्य और प्रबंधकों के साथ एक बैठक हुई।

बैठक में कुलपति ने कहा कि विचारों में मतभेद हो सकता है, लेकिन विश्वविद्यालय और छात्र हित सर्वोपरि है। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, वित्त अधिकारी हिमानी चौधरी, डीन सीडीसी प्रो. अवधेश त्रिपाठी समेत अन्य शिक्षक मौजूद थे।

जो बच्चों से यहां कराके एनेक सामाजिकों को सुरक्षाने का प्रयास प्रयास करते रहते हैं। बच्चे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रशंसा और शिकायत दोनों करते हैं। हम लोगों को अविलम्ब उनके शिकायतों का निस्तारण करना होता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न महाविद्यालयों में मैनेजमेंट कमेटी के चुनाव के लिए पर्यवेक्षक भेजना आवश्यक होता है, जिससे वहां पर चुनाव नियमानुसार संपन्न हो सके। एलयूआरएन जैसी व्यवस्था कई